>

Title : Shortage of vaccines like Polio, DPT, BCG and Khasra in the country.

श्री रामकिशुन (चन्दौली) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैंने शून्य-काल के अंदर सूचना दी थी कि देश में बच्चों को लगने वाली वैक्सीन की कमी के चलते, प्रति वर्ष पैदा हो रहे बच्चों के जीवन के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। इसलिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। अतः मैं इस सदन के संज्ञान में लाते हुए कहना चाहता हूं कि देश में प्रति वर्ष लाखों बच्चे पैदा हो रहे हैं और वैक्सीन की दवा की कमी के अभाव में विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त होकर उनकी मृत्यु हो रही है। देश में इस समय वैक्सीन की बड़े पैमाने पर कमी है, जिसके कारण टिटनेस (डीपीटी), डिप्थीरिया, खसरा आदि ऐसी गम्भीर बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं।

महोदया, सेंटर फॉर साइंस एनवायरमेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार बच्चों को लगने वाली वैक्सीन की कमी के चलते लाखों बच्चों की जिंदगी दांव पर है। इस दवा को पहले प्राइवेट कंपनी बनाती थी, लेकिन पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार के रवैये के कारण जो कंपनियां इस दवा को बनाती थीं, उन्होंने दवा बनाना बन्द कर दिया। इस कारण भी दवाओं की काफी कमी हुई और इनकी की काफी मांग बढ़ी। इस कारण प्राइवेट कंपनियां भी इन दवाओं को महंगे दाम पर सरकार को दे रही हैं। [RPM1] सरकार उनको ले भी नहीं रही है, इसलिए वैक्सीन की पूरे देश में कमी के कारण जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, वे भी बहुत बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। यह बच्चों की जिंदगी से जुड़ा मामला है और पूरे देश से जुड़ा हुआ मामला है, इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि सरकार यह जो वैक्सीन की कमी है, टीके की कमी है, उसकी जो सम्बन्धित दवाइयां हैं, उस कमी को पूरा करने के लिए तत्काल इस दवा का इन्तजाम करे।

यद्यपि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा इन दवाइयों का निर्यात करता है, इसका कारोबार भी 1900 करोड़ रुपये के लगभग प्रतिवर्ष होता है। इसके बावजूद भी हिन्दुस्तान में दवाइयों की कमी है, वैक्सीन की कमी है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि यह कमी इतनी नहीं है, पूरे देश में राज्यों में 10 से लेकर 30 परसेंट तक वैक्सीन की कमी है और इतने बड़े देश में, जहां 25 लाख के लगभग प्रतिवर्ष बच्चे पैदा होते हैं, उनके जीवन को इसके कारण खतरा पैदा हो रहा है, जो गरीबी रेखा के नीचे हैं। बाकी लोग तो दवाइयां खरीद लेते हैं, कहीं न कहीं उनका इस्तेमाल होता है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया अब आप समाप्त करें।

श्री रामकिशुन : मेरा 25 लाख बच्चों की जिंदगी का सवाल है, जिनकी दवाओं की कमी और टीके की कमी से मृत्यु होने की संभावना बढ़ती जा रही है, इसलिए हम चाहते हैं कि गरीबी की रेखा के नीचे के लोगों के इन्तजाम के लिए तत्काल इसकी व्यवस्था की जाये और भारत सरकार में बैठे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी से मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि तत्काल दवाओं का इन्तजाम और वैक्सीन का इन्तजाम कराया जाये। धन्यवाद।

SHRI PREM DAS RAI (SIKKIM): Madam, I would like to associate with the statement of Shri Ramkishun....(व्यवधान)